सत्र 2014–2015 से प्रभावी

बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिंदी साहित्य : प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन हिंदी काव्य एवं काव्यांग विवेचन

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

(क) निम्नांकित कवियों के रचना–अंशों से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

1. कबीर – प्रारंभिक 50 सखियाँ
2. जायसी – पद्मावत का मानसरोदक खण्ड
3. सूरदास
4. तुलसीदास
5. मीराबाई

(ख) निम्नांकित 3 कवियों में से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे –

1. चंदरबरदाई
2. भूषण
3. रतनकवि

नोट : पाठ्यपुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्यमंजूषा– संपादक : डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, (कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल)। प्रकाशक – अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

(ग) काव्यांग परिचय – (रस, छंद, अलंकार एवं शब्दशक्तियाँ)

(1) छंद – निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण – दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, ताटंक, मानव, श्रृंगार, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, पंचचामर।

(2) अलंकार – निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, रूपकातिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, व्यतिरेक, मानवीकरण, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।

(2) रस : रसावयव – स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।
रस भेद – श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य – रसों के लक्षण एवं उदाहरण।

(3) शब्दशक्तियाँ – शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

(क) पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ – 3 x 8 = 24 अंक

(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 8 = 16 अंक

(ग) पाँच लघूत्तरी प्रश्न – 5 x 3 = 15 अंक

(घ) काव्यांग परिचय – 10 अंक

(ङ) दस अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ : 1. त्रिवेणी– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1–2)– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 3. मध्यकालीन बोध का स्वरूप– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. मध्यकालीन काव्यसाधना– डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी। 5. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि– डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा। 6. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती, 15–एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–1, 7. जायसी : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद, 8. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्बयोजना– डॉ0 मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली। 9. जायसी– विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद, 10. रस, छंद, अलंकार– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा, 11. शब्द शक्ति, रस एवं अलंकार– डॉ0 ताराचंद्र शर्मा– महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 12. व्यावहारिक हिंदी– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

सत्र 2014–15 से प्रभावी

बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिंदी साहित्य : द्वितीय प्रश्नपत्र

हिंदी कथा साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

पाठ्य पुस्तकें :

(क) उपन्यास : **छोटे–छोटे पक्षी** – शैलेश मटियानी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

(ख) कहानी संग्रह : **ग्यारह कहानियाँ–** संपादकः डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

कहानी संग्रह में से इन आठ कहानीकारों की एक–एक कहानी पाठ्यक्रम में शामिल हैं–

1. जयशंकर प्रसाद 2. प्रेमचंद 3. मोहन राकेश 4. भीष्म साहनी 5. हिमांशु जोशी 6. मनोहरश्याम जोशी 7. शेखर जोशी 8. बटरोही।

इसी संग्रह में से इन तीनों कहानीकारों की एक–एक कहानी द्रुतपाठ के लिए है, जिन पर केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे–

1. रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2. बल्लभ डोभाल, 3. मृणाल पाण्डे

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

(क) पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ –	3 x 8 = 24 अंक
(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 12 = 24 अंक
(घ) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 3 = 15 अंक
(ङ) बारह अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	1 x 12 = 12 अंक।

संदर्भ ग्रंथ : 1. सुखदा उपन्यास की विवेचना – डॉ0 सत्येन्द्र, पूर्वोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली। 2. उपन्यासकार जैनेन्द्र : मूल्यांकन और मूल्यांकन– डॉ0 मनमोहन सहगल, साहित्य भारती, दिल्ली–51, 3. जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तालश– डॉ0 चंद्रकांत वांदिवडेकर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली, 4. जैनेन्द्र के उपन्यास– डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 6 कहानी : नई कहानी– डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, 15–ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद, 7. हिंदी कहानी : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, 8. कहानी

: संवाद का तीसरा आयाम– डॉ0 बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 9. कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप– डॉ0 बटरोही, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली, 10. समकालीन हिंदी कहानी– गंगाप्रसाद विमल (सं0), मैकमिलन, दिल्ली।